विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

www.vidarbhswabhiman.com 9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 5 से 11 जून 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 02 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

प्रकृति ने हमें जीभर दिया है. लेकिन हम इतने स्वार्थी हैं कि शेखचिल्ली बनकर देने वालों को ही काटने का काम करते हैं. सदैव प्रकृति के जतन का प्रयास करना मानवता का धर्म है. इसे निभाने पर ही आगामी पीढ़ियां सुरक्षित रह सकती हैं. सभी पेड़ लगाएं और जीवन को सफल बनाने का प्रयास करें.

समाजसेवी,पूर्व पार्षद,हमारे मित्र सुभाष रत्नपारखी को जन्मदिन 10 जून पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

देनेवाली प्रकृति का सत्यानाश अनुचित

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष, हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए और उसे बड़ा करे

विदर्भ स्वाभिमान,4 जून

मुंबई/अमरावती- मानव भी कितना स्वार्थी है, जो उसे जिंदा रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उसे ही खत्म करने में भी उसे शर्म नहीं आती है. शेखचिल्ली की तरह जिस प्रकृति के कारण उसका अस्तित्व है, वह जिंदा है, खा रहा, पी रहा और जी रहा है लेकिन उसके मामले में उसका रवैया खतरनाक है. विश्व पर्यावरण दिवस पर हर भारतीय को संकल्प लेना चाहिए कि इस साल बारिश में वह केवल एक पेड़ लगाए और उसका संवर्धन करे. बाकी काम तो सरकारी लक्ष्य के मुताबिक कई वर्षों से चल रहा है. कई दशक पहले नदी का पानी पीने लायक रहता था और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नदी, कुएं और नाले तक का पानी निर्मल हुआ करता था. उस समय आज के जैसी

तकनीकी नहीं रहने के बाद भी हमारे दादा-परदादा कितने विद्वान, कितने समझदार थे कि वे प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों का महत्व समझते थे. लेकिन बदलते दौर में आज हमने हमारे ही संसाधनों के महत्व को न केवल दरकिनार किया, बल्कि उन्हें गंदा कर दिया है. नदी की पवित्रता के साथ ही उसकी सफाई इस कदर प्रभावित है कि सरकार द्वारा करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद भी वह स्थिति नहीं बन रही कि नदी का निर्मल जल कोई पी सके. इसे जहरीला करने के लिए कोई और नहीं बल्कि स्वार्थी इंसान ही जिम्मेदार है.अमरावती महानगर पालिका तथा जिला परिषद द्वारा विगत कुछ वर्षों में पौधारोपण के लक्ष्य के साथ ही वन विभाग के पौधारोपण लक्ष्य को अगर मिला दिया जाए और सही मायने में प्रयास किया जाता तो हरियाली से पूरा जिला ओतप्रोत रहता था. सरकारी प्रयासों को जनता का साथ मिलना भी जरूरी है. सभी मिलकर कुछ करने से सदैव अच्छा होता है. नदी,नालों,कुओं की सफाई की बजाय आज भी हम उन्हें गंदा ही करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित तौर पर यह खतरनाक है. विश्व पर्यावरण दिवस पर हमें सुधरने का संकल्प लेना चाहिए.

परमार्थ की सीख देती है प्रकृति

विदर्भ स्वाभिमान,4 जून

अमरावती-इस सप्ताह 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस और 10 जून को विश्व नेत्रदान दिवस है. दोनों ही प्रसंग मानवता की सेवा से जुड़े हैं. प्रकृति हमें परमार्थ का सर्वो च्च संदेश देती है,वहीं नेत्रदान भी परमार्थ की श्रेणी में आता है. एक पेड़ जब हम लगाते हैं तो वह हमें छांव देता है, फल देता है, आक्सीजन देता है और न जाने क्या-क्या देता है. निश्चित तौर पर पेड़ परमार्थ का आदर्श उदाहरण होता है. उसी तरह मरने के बाद जलाए जाने वाले अथवा दफनाए जाने वाले शरीर का उपयोग नहीं होता है. लेकिन नेत्रदान अथवा अवयव दान के माध्यम से जीवन का अंतिम क्षण भी परमार्थ से

विदर्भ स्वाभिमान

पर्यावरण का जतन है सभी की जिम्मेदारी, नेत्रदान से हम मरकर भी दुनिया कर सकते हैं रोशन

ओतप्रोत बनाया जा सकता है. सभी को इसका विचार करने के साथ दोनों ही क्षेत्रों में योगदान देना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन समाजसेवी सुदर्शन गांग ने किया. नेत्रदान जहां परमार्थ का काम है, वहीं सृष्टी सखा जैसी संस्थाएं इस क्षेत्र में जिस तरह से कार्य कर रही है, उसकी सराहना भी की. उनके मुताबिक सभी के सहयोग से ही यह संभव होता है.

परमार्थ का काम कभी भी बेकार नहीं जाता है. अवयवदान को लेकर अभी भी कुछ हिचक है लेकिन अवयवदान परमार्थ का पुनीत काम होता है. 10 जून को विश्व नेत्रदान दिन पर हरीना समिति द्वारा इस क्षेत्र में किया जा रहा कार्य सराहनीय है.शहर ही नहीं तो सेवाभावी कामों के लिए पूरे राज्य में सुख्यात सुदर्शन गांग के मुताबिक अमर होने के तरीकों में से एक तरीका अवयवदान भी है. जब हम नेत्रदान का संकल्प करते हैं तो यह भी महान कार्य है. वैसे भी जिंदगी समाप्त होने के बाद उसे अपने-अपने धर्म शेष पेज 2 पर

राज्य में पहली कक्षा से सैनिकी प्रशिक्षण-भुसे

मुंबई- महाराष्ट्र के स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने कहा है कि बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन की भावना पैदा करने और नियमित शारीरिक व्यायाम की आदत को बढ़ावा देने के लिए राज्य में विद्यार्थियों को कक्षा एक से बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाएगा.

उन्होंने कहा कि छात्रों को ट्रेनिंग देने के लिए रिटायर्ड सैनिकों की मदद ली जाएगी. भुसे ने कहा, 'छात्रों को कक्षा एक से बुनियादी स्तर का सैन्य प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया है.इससे देश के प्रति प्रेम की भावना पैदा करने, नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम करने और अनुशासन जैसी आदतों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, जिससे छात्रों को लाभ होगा.मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है. शिवसेना नेता ने कहा कि प्रस्ताव को लागू करने के लिए खेल शिक्षकों, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), स्काउट और गाइड के साथ-साथ ढाई लाख पूर्व सैनिकों की मदद ली जाएगी.

श्री वेकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 19वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

प्राकृतिक के साथ धार्मिक पर्यटन की संभावना

अमरावती जिले में धार्मिक के साथ प्राकृतिक पर्यटन की अपार संभावना है. भगवान श्रीकृष्ण के ससुराल कौंडण्यपुर के साथ अंबादेवी,एकवीरा देवी मंदिर के साथ दर्जनों मंदिर यहां हैं, उनका सही तरीके से अगर विकास किया जाए तो हजारों लोगों को रोजगार मिल सकता है. लेकिन इस बारे में जितनी गंभीरता होनी चाहिए, नहीं दिखाई दे रही है. अकेले महाराष्ट्र में जंगल सफारी के माध्यम से सरकारी तिजोरी में डेढ़ सौ करोड रुपए से अधिक की आय दर्ज की गई है. प्राकृतिक सुंदरता के मामले में भारत में ऐसे ऐसे स्थान हैं जिस तरह के स्थान शायद दुनिया में कहीं नहीं हो लेकिन दुर्भाग्य की बात है पर्यटन विकास पर उतना ध्यान सरकारों द्वारा नहीं दिया गया जितना ध्यान दिया जाता तो शायद आज संबंधित क्षेत्र केवल पर्यटन के बहारों से विकास की नई इबारत लिखता था. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हमारे नेताओं में भ्रष्टाचार, अनैतिकवाद तथा दूर दृष्टि के अभाव के कारण पर्यटन के लिए योग्य कई स्थान रहने के बाद भी पूर्ण क्षेत्र का विकास नहीं किया जाता है. आज बड़ी संख्या में महाविद्यालय तो खुल रहे हैं लेकिन देश में जिस तरह से बड़ी औद्योगिक इकाइयां खुलनी चाहिए उसमें कमी आने के कारण बेरोजगारी इस कदर बढ़ रही है कि युवाओं पर उच्च शिक्षा लेने के बाद आत्महत्या की नौबत आ रही है. बावजूद इसके पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने अथवा इस क्षेत्र के माध्यम से विदेशियों को आकर्षित करने का प्रयास नहीं किया जा रहा है. भारत से ही हर साल लाखों लोग पर्यटन की चाहत में विदेश में जाते हैं और करोड़ों रुपए खर्च कर आते हैं. लेकिन उससे भी कई बढ़िया स्पॉट भारत में रहने के बाद भी आज वंचित हैं. विकास के अभाव, वहां तक पहुंचाने के लिए बेहतरीन साधन तथा अन्य सुविधाओं के अभाव के कारण यह क्षेत्र अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं. अमरावती जिले का हिल स्टेशन चिखलदरा इसका जीता जागता उदाहरण है. आज अगर इस क्षेत्र का बेहतरीन तरीके से विकास किया गया होता और अन्य सुविधाओं पर ध्यान दिया गया होता तो यहां लाखों पर्यटक आते थे. मेलघाट व्याध प्रकल्प अमरावती जिले में रहना भाग्य की बात है लेकिन अमरावती जिले के नेताओं के नक्कारेपन के कारण चिखलदरा का विकास नहीं होने के कारण पर्यटन के रूप में यह पर्यटकों को आकर्षित करने में असफल रहा है. अमरावती जिले के विधायक एवं सांसदों को विकास के बजाय एक दूसरे के कपड़े फाड़ने में अधिक आनंद आता है. यही कारण है कि पिछले 10 वर्षों से अमरावती जिला विकास में पूरी तरह से पीछे गया है. प्रशासन पर डेढ़ सौ घुमंतू किस तरह भारी हैं, इसका अनुभव अमरावती शहर की जनता कर चुकी है. शहर की सुंदरता को चार चांद लगाने वाले करोड़ों रुपए के उड़ान पुल की गंदगी देखने के बाद भी प्रशासन और पुलिस किस तरह लाचार है इसका अनुभव हर दिन शहर के ह्रदय स्थल राजकमल चौक से लेकर जय स्तंभ चौक और राजापेठ तक के व्यापारी कर रहे हैं. शहर के विकास के साथ चिखलदरा के विकास के लिए शासन प्रशासन को प्रयास करना चाहिए.अमरावती में धार्मिक के साथ ही प्राकृतिक पर्यटन पर अगर जोर दिया जाए तो लाखों लोगों को निश्चित रोजगार मिल सकता है.

पर्यावरण संतुलन संभालो,वर्ना भारी पड़ेगा

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

5 जून को विश्व पर्यावरण दिन मनाया गया. इस उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम हुए, सभी ने पेड़ पौधों और प्रकृति के जतन पर अपने विचार व्यक्त किए. लेकिन पर्यावरण संतुलन का विषय इन्सानी जिंदगी से जुड़ा रहने के कारण इस मामले को जितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, उतनी गंभीरता से नहीं लेने का ही कारण है कि पूरे विश्व को ग्लोबल वार्मिंग से जूझना पड़ रहा है. सरकारी पौधारोपण की औपचारिकता तो हास्यास्पद ही कही जा सकती है. केवल पौधारोपण करने और फोटो निकालकर उसे सोशल मीडिया पर डालने और बिल मंजूर कराने वाली जो मानसिकता है, वह भविष्य के लिए घातक कही जा सकती है. विश्व के कई देशों में जलसंकट की स्थिति है. अमरावती के ही पड़ोस में अकोलावासियों को पानी के लिए रात भर जागना पड़ता है. इस तरह की स्थिति होने के बाद भी अगर जलस्तर बढ़ाने के लिए हम प्रयास नहीं कर रहे हैं तो इसे क्या कहना चाहिए. सवाल यह नहीं है कि केवल सुविधा का लाभ उठाने की ही हमारी मानसिकता हो, बल्कि पर्यावरण के क्षेत्र में हर व्यक्ति को यह सोचकर योगदान देने का प्रयास करना चाहिए कि उसके द्वारा लगाया गया पेड़ बड़ा होकर जितने लोगों को छांव देगा, जितने पशु इसके नीचे बैठकर ठंडक का एहसास करेंगे, उन सभी का पुण्य भी उसके ही खाते में जाएगा.

वृक्षवल्ली आम्हा सोयरे वनचरे के माध्यम से हमारे संत महात्माओं ने भी यही संदेश दिया है. लेकिन हैरत लगती है कि हम पेड़ की छांव चाहते हैं, आम तो चाहते हैं लेकिन पेड़ लगाने की दिशा में उतने सक्रिय नहीं होते हैं, जितना होना चाहिए. पेड़ों की कटाई तो तेजी से की जा रही है लेकिन उसके अनुपात में पेड़ लगाने की प्रक्रिया कम रहने के कारण लोगों को परेशानी होती है. जल है तो ही कल है और जल का स्त्रोत पेड़ होते हैं. पेड़ पौधों की संख्या बढ़ने पर मौसम बराब रहने के साथ ही प्रकृति को लाभ होता है. आज मौसम में बदलाव को लेकर सभी शिकायत करते हैं. आज हम बिजली के बगैर जीने की कल्पना नहीं करते हैं. आज अगर बिजली कुछ देर के लिए गर्मी के दिनों में चली जाती है तो व्यक्ति परेशान हो जाता है. इसके पीछे भी पर्यावरण के साथ किए गए खिलवाड़ का ही कारण है. जहां पेड़ भरपूर मात्रा में होते हैं, वहां कितनी भी तेज आंधी चले बड़ा नुकसान नहीं होता है. क्यों कि आंधी की तीव्रता को यह पेड़ कम करने का काम करते हैं. धरती को शीतलता प्रदान करने का काम करते हैं. लेकिन जहां जंगल है और वीरानी वाली स्थिति है, वहां हमेशा संकट वाली स्थिति रहती है. इस पर सभी को सोचना और पेड़ लगाने का संकल्प ही नहीं लेना चाहिए, बल्कि अपने घर के सामने सभी को पौधा लगाना और जिंदा रखना चाहिए.पर्यावरण संतुलन को समय रहते नहीं समझे तो यह भारी पड़ने वाला है.

परमार्थ की सीख देती है प्रकृति,पेड़ लगाएं सभी

पेज 1 से जारी-के मुताबिक जलाया या दफनाया जाता है. लेकिन हमारे द्वारा किया गया नेत्रदान किसी के जीवन में उजियारा ला सकता है. वैसे भी अंबानगरी में परमार्थ के कामों का सिलसिला ही चलता है. यही कारण है कि रक्तदान के क्षेत्र में अमरावती शहर समूचे देश में सुख्यात है. शहरवासी सामाजिक कामों में भी सदैव योगदान दैने के लिए तत्पर रहते हैं.इन्सान का ही जीवन कर्म के माध्यम से उच्च स्थान पर जाने की काबिलियत रखता है. यही कारण है कि जन्म से लेकर दुनिया से विदाई तक हमारे कामों के कारण ही हमारा नाम या परिचय होता है. ऐसे में नेत्रदान के माध्यम से हम मरकर भी अपना नाम अमर कर सकते हैं. हमारे नेत्र की ज्योति मरने के बाद भी हमें दुनिया में जिंदा रखती है. जिस तरह से रक्तदान के क्षेत्र में अमरावती ने गौरव हासिल किया है, उसी तरह का गौरव नेत्रदान के साथ ही अवयवदान और देहदान के क्षेत्र में भी हासिल किया जाना चाहिए. विश्व नेत्रदान दिन 10 जून के उपलक्ष्य में सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी से जीवन में परमार्थ के सर्वो च्च इस काम में जीते-जीत नेत्रदान का संकल्प फार्म भरते हुए योगदान देने और स्वयं को भी जाने के बाद भी दुनिया में याद रखने का काम करने का आग्रह किया. इसके साथ ही इस क्षेत्र में जिन संगठनों द्वारा प्रयास किया जा रहा है, उन संगठनों के पदाधिकारियों का भी अभिनंदन किया और यह सिलसिला लगातार बढ़ने की कामना भी की. अमरावती में हरीना समिति के साथ दिशा संस्था का काम इस बारे में बेहतरीन है.

किसानों को परेशानी बर्दाश्त नहीं

कृषि विभाग को निर्देश

अमरावती-आगामी खरीफ सीजन में लिंकिंग में किसानों का शोषण न हो, इसके लिए राज्य स्तर से निर्देश दिए गए हैं. किसानों का शोषण होने की शिकायतों पर गंभीरता से सख्त कार्रवाई करने का निर्देश जिलाधिकारी आशीष येरेकर ने कृषि विभाग को दिया है. स्थानीय विक्रेताओं के स्तर पर कृषि साहित्य में लिंकिंग होने पर कृषि विभाग सख्त कार्रवाई करे.

जिला कलेक्टर कार्यालय में बुधवार को कृषि विभाग की समीक्षा की गई. इस अवसर पर जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी राहुल सातपुते, आत्मा की परियोजना निदेशक अर्चना निस्ताने, जिला उपपंजीयक शंकर कुंभार आदि उपस्थित थे. येरेकर ने कहा कि खरीफ सीजन की शुरुआत में बीजों की कमी न हो, इसका ध्यान रखा जाना चाहिए. चूंकि किसान एक विशेष किस्म पर जोर देते हैं, इसलिए इन बीजों की कमी होने की संभावना है. इसलिए बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कंपनी स्तर पर प्रयास करने के साथ ही किसानों के लिए जरूरी सुविधाएं जुटाने जुटाने का निर्देश दिया. किसानों को कपास की फसल के लिए वैकल्पिक किस्मों की बुवाई के बारे में जानकारी देने सहित अन्य निर्देश दिए. किसी भी स्थिति में नकली और प्रतिबंधित बीज नहीं बेचे जाने चाहिए.

इसके साथ ही आने वाले समय में उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर भी प्रयास किए जाने चाहिए. किसानों की मदद के लिए गोपीनाथ मुंडे अनुदान योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, फसल बीमा, आपातकालीन सहायता आदि योजनाएं लागू की जा रही हैं. इन सभी का लाभ पाने के लिए अब किसानों को एग्रीस्टैक के तहत पंजीकरण संख्या प्राप्त करना आवश्यक है. इसमें गांव स्तर पर शिविर लगाकर पंजीकरण की गति बढ़ाने का निर्देश दिया.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर यांच्या प्रेरणेतून मिळेल विकासाची नवी दिशा!

- चौंडी येथील स्मृतिस्थळाचा तीर्थस्थळ विकास आराखड्यात समावेश, यासाठी ६८१.३२ कोटी रुपयांचा निधी मंजूर; आणखी ७ तीर्थस्थळांचा विकास प्रस्तावित
- ऐतिहासिक जलस्रोतांच्या जतन व संवर्धनासाठी ७५ कोटी रुपयांचा निधी मंजूर; आणखी ३४ जलस्रोतांचे पुनरुज्जीवन व सुशोभीकरण करून इतिहासाला नवसंजीवनी देण्यात येणार
- अहिल्यानगर येथे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय व अत्याधुनिक रुग्णालयाची स्थापना करण्यात येणार; १०० विद्यार्थी क्षमतेचे वैद्यकीय महाविद्यालय व ४३० खाटांचे रुग्णालय लवकरच उभारण्यात येणार
- धनगर समाजातील गुणवत्ताधारक विद्यार्थ्यांसाठीच्या वसतिगृह योजनेचे नामकरण 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर वसतिगृह योजना' असे करण्यात येणार
- नारी शक्तीचा जागर करण्यासाठी, महिलांच्या सर्वांगीण सक्षमीकरणासाठी 'आदिशक्ती अभियान' आणि 'आदिशक्ती पुरस्कार योजना' राबविणार
- अहिल्यानगर येथे मुलींसाठी विशेष शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था स्थापन करणार
- पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर यांच्या जीवनावर आधारित बहुभाषिक चित्रपटाची निर्मिती करण्यात येणार

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर यांना त्रिशताब्दी जयंतीनिमित्त विनम्र अभिवादन !

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे
उपमुख्यमंत्री

अजित पवार
उपमुख्यमंत्री

माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन
www.mahasamvad.in | MaharashtraDGIPR | MahaDGIPR

गुफा में हरी ने वानरों को दिखाया बैकुंठ

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-21, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी -वैकुंठ गुफा की महिमा-इस प्रकार सारे वानर अनेक प्रकार से बड़बोली करते वन में विहार कर रहे थे. तब स्वामी पुष्करिणी के ईशान भाग में एक गिरी गुफा को देखा. गज गवय,गवाक्ष,मैंद व्दिविद आदि प्रमुख वानरवीर उस अंधेरे से भरी गुफा में घुस गए.अंधकार में जानेवाले उनको उस गुफा में एक जगह एक दिव्य ज्योति दिखाई पड़ी. उसके पास पहुँचते समय उस गुफा में नवरत्नों से जटित गोपुर-प्राकार दिव्य दीवारों के साथ वन्जों से बने गवाक्ष, वैडूर्य- माणिक्य, मरकत मोतियों से बने मंडप प्रसाद चित्र भवन समूह हरे-हरे तोरण सोने के रथ श्रेष्ठ अश्व, बड़ी-बड़ी वीथियों के साथ मधुर गीतों नृत्य, विविध वाध ध्वनियाँ घोषित होते, सुंदर स्त्रियों का नाट्य चतुर्भुज ,गदाधर शंख-चक्र धारण करनवाले लोग वहाँ दिखाई दिए. उनको ये सब अत्यभ्दुत लगे. वहाँ पर इन सारे वैभवों के साथ महाप्रकाश की महिमा से सुशोभित उस पुर के मध्य में सुवर्ण कांति से विकीर्ण होनेवाले एक दिव्य विमान में एक दिव्य पुरुष भी दिखाई दिए.

कपिवीरों के व्दारा परम पुरुष का दर्शन करना-नीलाभ्रगात्र , नीरजनेत्र, आजानुबाहु,अच्युत, कनकांबर रूपी, कंबु कंठी, सल्लिलित,सभ्दूषणालंकृत शंख-चक्र , गदा हस्त-धारी, महात्मा,पूर्ण चंद्र वदनवाले सुरचिर , सुंदर , सुकुमार देहवाले , विमल-कारुण्य वीक्षण वाले , हँसते हुए महा भोगी आसन पर बैठे वाम पाद मोड़कर लक्ष्मीश्वर दाएँ पाद धरती पर शोभा से रखे हुए थे. दो हाथ आदि शेष पर रहे थे लक्ष्मी हदय में बसी हुई थी भूदेवी और नीला देवी भक्ति से हाथ जोड़ी हुई थी . इस प्रकार के सुखासीन के साथ बैठे परम पुरुष को कपि वीरों ने देखा.इस प्रकार सुखासीन पर बैठे उस दिव्य पुरुष के दोनों तरफ सुंदर स्त्रियाँ हाथों में श्वेत चामर लेकर पंखा कर रही थीं . उनके चारों तरफ शंख , चक्र , गदादि आयुध लेकर श्वेत वस्त्रों में श्वेत पुष्पों से अलंकृत होकर कुछ लोग इधर-उधर धूम-धाम कर रहे थे . वे सब उस दिव्य पुरुष की उपासना कर रहे थे . कोटि सूर्य कांति से सुशोभित उस दिव्य पुरुष की ओर कपिवीरों ने देखा. बड़े आनंद से उस दिव्य पुरुष ने भी कपि वीरों की ओर देखा. तभी कपि वीरों की खोज करते दौड़ते आनेवाले एक और कपि ने भी दिव्य पुरुष को देखा . दिव्य पुरूष को देखकर उसे भय हुआ. फिर बाहर लौटने के लिए दूसरा मार्ग न पाकर वहीं घूम -घाम करने लगा था. बाकी कपि वीरों की ओर देखा. तब उस दिव्य पुरुष ने करुणायुक्त दिव्य भाव से उस कपि को रास्ता दिखाया . उसके साथ सभी कपि वीर उस मार्ग से बाहर निकले . उनको बहुत आश्चर्य हुआ था . तब वे अपने आप में बोलने लगे थे. श्री रामचंद्र से हार जाने के भय से रावण ने ही गुफा के अंदर पहुँचकर राक्षसी माया से हमें इस रूप में दिखाया है. कुछ लोगों ने इस रूप में कहा. यह माया दशकंठ की नहीं है बल्कि हरि की माया हो सकती है. ऐसा कुछ ने कहा. इस संशय को दूर करने के लिए हमें दूसरी बार गुफा में जाना होगा. कुछ ने कहा . फिर से उस गुफा के अंदर जाने के लिए कपियों ने गुफा की खोज करना शुरू किया . किंतु उन्हें कहीं भी फिर से गुफा दिखाई नहीं दी. बाकी को भी यह समाचार देकर सभी उस गुफा की खोज करने लगे .फिर भी जहाँ हरि को देखा था वह गुफा कहीं भी फिर से दिखाई नहीं दी . सबने लौट कर रामचंद्र को प्रणाम करके गुफा के बारे में उन्हें बताया. तब रामचंद्र क प्रणाम करके गुफा के बारे में उन्हें बताया . तब रामचंद्र ने मुस्कराकर कहा.

रामचंद्र की रम्योक्ति-देवर्षी राजा, नदीमूल आदि के बारे में परीक्षा के बिना नहीं बताना चाहिए.अत्यंत महिमावान रमाधीश यहाँ विचरम करते रहने को गलत नहीं कहना चाहिए. हरिगिरी की महिमाएँ सिर्फ हरि ही जानते हैं. यह देवताओं को भी नहीं मालूम है. वेंकटाचल पर और भी अनेक महिमाएँ हैं.आपको इस रूप में परीक्षा नहीं करनी चाहिए. हरि सचमुच ही आपको दिखाई दिया तो इसमें क्या बुरा है. हरि को देखकर आपके जीवन धन्य हो गए. ऐसा कपि वीरों से राम कह कर वहाँ से निकल गए. अगले दिन सारे पर्वत से उतरकर कपि वीरों के साथ राम आगे बढ़े. सागर पर सेतु बांध कर अपनी कीर्ति की स्थापना की . कपि वीरों के साथ और भाई की स्तुति करने से लंका पहुँच कर युध्द किया.**जय गोविंदा**

शेष आगे के अंक में

दिलदार व्यक्तित्व हैं एड.मुरलीधर चोपड़े

जन्मदिन 5 जून मई पर विशेष

यारों के यार,माता-पिता भक्त तथा बहुगुणी व्यक्तित्व के रूप में एड. मुरलीधर चोपड़े का उल्लेख किया जाता है. मिलनसार स्वभाव, धार्मिकता से जहां वे ओतप्रोत हैं, वहीं दूसरी ओर उनके स्वभाव की खूबी किसी को भी प्रभावित करती है. धीर-गंभीर चेहरे वाले एड. मुरलीधर चोपड़े शिवसेना के जहां समर्पित कार्यकर्ता हैं, वहीं जनता के कामों के लिए हर पार्टी के नेताओं से उनके करीबी संबंध हैं. यही कारण है कि विकास का काम हो, धार्मिक आयोजन में सहयोग हो अथवा किसी जरूरतमंद की मदद की बात हो, वे सदैव आगे रहते हैं.सफल वकील, लॉफिंग क्लब के सदस्य के साथ ही यारों के दिलदार यार के रूप में वे सुख्यात हैं. 5 जून को उनके जन्मदिन पर सैकड़ों मित्रों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी.

शारदानगर निवासी चोपड़े परिवार शहर में भी आदर्श परिवार के रूप में पहचाना जाता है. सुबह शारदा नगर के बगीचे में वे मित्रों के साथ जिस तरह से घुलमिल जाते हैं और व्यायाम के साथ ही सभी को खुशियां बांटते हैं, सदैव मुस्कराते रहते हैं, यह निश्चित ही उनके व्यक्तीत्व का आदर्श पहलू है. आदर्श परिवार के साथ ही जीवन में माता-पिता तथा परिवार की अहमियत को महत्वपूर्ण मानते हैं. एड. मुरलीधर चोपड़े बातचीत के दौरान बताते हैं कि माता-पिता के आदर्श संस्कारों, आचार-विचारों की छाप पूरे परिवार पर पड़ी है. यही कारण है कि शहर में आज आदर्श परिवार के रूप में चोपड़े परिवार की गणना होती है. उनके मुताबिक जितना संभव हो, हर व्यक्ति को अपने स्तर पर स्वयं के साथ ही समाज के लिए भी जीने का प्रयास करना चाहिए, ऐसा करने से मिलने वाली खुशी महत्वपूर्ण रहती है. वे कहते हैं कि जीवन में अगर हम किसी को हंसा नहीं सकते हैं तो हमें रूलाने का अधिकार नहीं है.

जीवन में मित्रों की महती बताते हुए वे कहते हैं कि जीवन की खुशियों का कारण मित्र होते हैं. अच्छे मित्र मिलने भर से जीवन संवर जाता है. सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक तथा धार्मिक कामों में भी एड. मुरलीधर चोपड़े का सदैव योगदान रहता है. यही कारण है कि उनके जन्मदिन पर शारदा नगर में लॉफींग क्लब के सभी सदस्यों के साथ ही सुबह से लेकर रात तक सैकड़ों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए दीर्घायु की कामना की.लोगों के इस प्यार को अपने लिए सबसे बड़ी पूंजी मानने वाले एड. मुरलीधर चोपड़े जितने बेहतरीन समाजसेवी हैं, उससे भी बेहतरीन इन्सान हैं. किसी गरीब, जरूरतमंद की यथासंभव मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं. उनका मानना है कि इन्सान को इन्सान के काम आना चाहिए. जरूरी नहीं है कि हम किसी की पैसों से ही मदद करें, किसी गरीब के लिए रक्तदान कर अथवा रक्त की व्यवस्था कर भी मदद की जा सकती है. किसी दिव्यांग को सड़क पार कराने अथवा बुजुर्ग को सड़क पार कराकर भी मदद की जा सकती है. जीवन में जो लोग मेहनत से डरते हैं, वे जीवन में कभी कामयाब नहीं हो सकते हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा लॉफिंग क्लब परिवार द्वारा उन्हें ढेरों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएँ, आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

एड.मुरलीधर चोपड़े

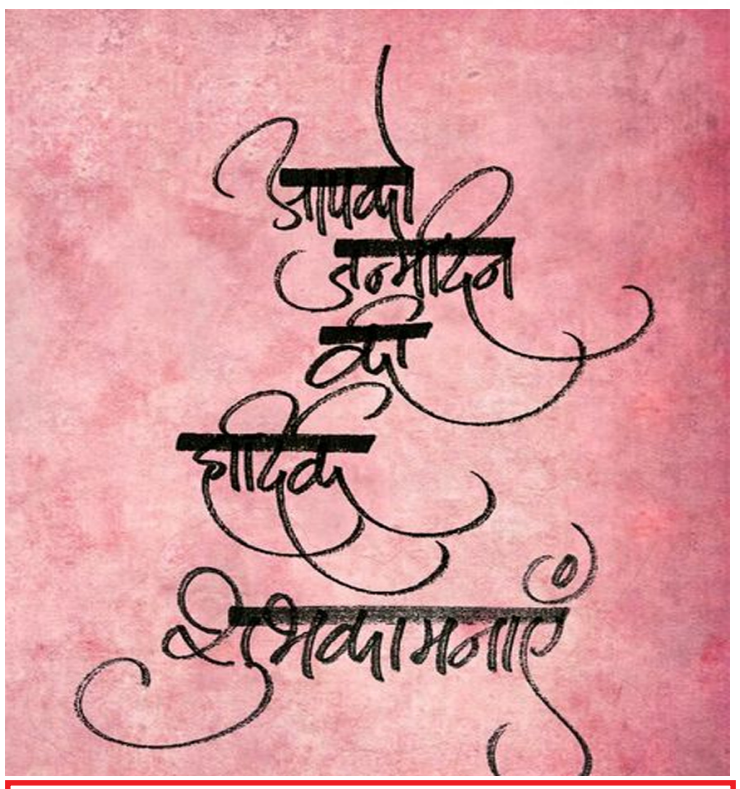

शुभेच्छुक- लॉफिंग क्लब,शारदा नगर मित्र परिवार,चोपड़े परिवार तथा विदर्भ स्वाभिमान

डॉ.सुभाष रत्नपारखी

यारों के दिलदार यार, सादगी, शांत स्वभाव के धनी, यथासंभव मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाले, हमारे प्रिय मित्र

डॉ.सुभाष रत्नपारखी

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना. जन्मदिन पर भाऊ को कोटिशः हार्दिक शुभकामनाएं.

— शुभेच्छुक —

समस्त रत्नपारखी परिवार, असंख्य मित्र परिवार,
विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती.

बहुगुणी व्यक्तित्व हैं डॉ. सुभाष रत्नपारखी

ज़न्मदिन 10 जून पर विशेष, सरल स्वभाव से पाते हैं सभी का सम्मान

शहर ही नहीं तो सेवाभावी कामों के लिए पूरे जिले में सुख्यात डॉ. सुभाष रत्नपारखी बहुगुणी व्यक्ती हैं. आदर्श पिता,पुत्र,पति के साथ ही सभी रिश्तों में जहां गौरवमयी व्यक्ति हैं, वहीं बेटी डेंटल क्षेत्र में एमडी बन रही है, बेटा भी डाक्टर बनकर पिता का नाम चमका रहा है. यह निश्चित तौर पर उनके संघर्षों का परिणाम है. मेहनत को कामयाबी का माध्यम मानने वाले डॉ. रत्नपारखी सेवाभावी कामों में सदैव समर्पित रहते हैं. उनमें सम्पन्नता में जितनी विनम्रता है, वहीं सेवाभाव के कारण उन्हों ने लाखों मित्र परिवार तैयार किए हैं. वे कहते हैं जीवन में किया गया नेक काम कभी भी बेकार नहीं जाता है. इसका अनुभव दो साल पूर्व के कोरोना महामारी के दौरान आया. पुनर्जन्म होने का अनुभव अगर उन्हों ने किया तो प्रभु की कृपा और उनके द्वारा किए गए काम और लोगों की दुवाओं को वे चमत्कार मानते हैं. संघर्ष के बाद भी कभी भी हार नहीं मानने और अपनी मेहनत तथा समझदारी से परिवार की आजीविका चलाने के साथ ही सामाजिक कामों में भी अग्रणी डॉ. सुभाष रत्नपारखी आदर्श पिता के साथ ही आदर्श मित्र और सभी भूमिकाओं में सदैव अग्रणी रहते हैं. दिल के राजा व्यक्ति के रूप में उनका उल्लेख किया जाता है. दोनों बेटियों को उच्च शिक्षादिलाने के साथ ही धार्मिकता इतनी कि अपने गांव में श्रीमद्भागवत कथा कराने में जहां योगदान देते हैं, वहीं आदर्श नागरिकों के निर्माण के लिए बच्चों के लिए सुसंस्कार शिविर लेने का काम करते हैं. उनका मानना है कि भारतीयता और मानवता की सेवा बढ़ाने की जरूरत है. इसके लिए संस्कार शिविर महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है. आत्मीयता जहां उनमें भरी है, वहीं किसी भी विषय पर समझदारी से बात करने की खूबी के कारण हजारों मित्र परिवार बनाए हैं. उनका कहना है कि जीवन में हम प्रेम और अपनापन देंगे तो यही बढ़कर हमे भी मिलेगा. जितना संभव हो सके किसी को भी खुश रखने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से हमारी खुशियां ऊपरवाला कभी कम नहीं होने देता है, इस बात पर उनका सदैव विश्वास रहता है. वैद्यकीय क्षेत्र को गौरवान्वित करने का काम जहां उन्होंने किया है, वहीं कम से कम खर्च में दंत संबंधी बीमारियों पर सही मार्गदर्शन करते हैं. बचपन से ही मेहनत, संघर्ष के बलबूते अपना स्थान बनाने वाले सुभाष रत्नपारखी बेहतरीन यार हैं. उनका मानना है कि जीवन में कामयाबी के लिए मेहनत, लगन, समर्पण के साथ ही सदैव समय का सदुपयोग करने की आवश्यकता है. आज युवाओं में सुख-सुविधाएं सभी मिलने की चाहत रहती है लेकिन इसे प्राप्त करने के लिए मेहनत की तैयारी नहीं रहती है. हरदिल अजीज और पूर्व मंत्री जगदीश भाऊ गुप्ता के करीबियों के साथ ही डॉ. गोविंद कासट को समाजसेवा का अपना गुरू मानने वाले डॉ. रत्नपारखी को जन्मदिन 10 जून पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना. पूर्व नगर सेवक के रूप में भी अंबाविहार निवासी ने करोड़ों के विकास करते हुए राजनीतिक पारी में भी अपनी सफलता का लोहा विरोधियों को मनवाया था.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

राजपुरोहित
फोटो स्टुडीओ
वेडिंग फोटोग्राफी
इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शुटींग
इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग
ड्रोन शुट
फोटो अलबम
मोबाईल प्रिंटींग

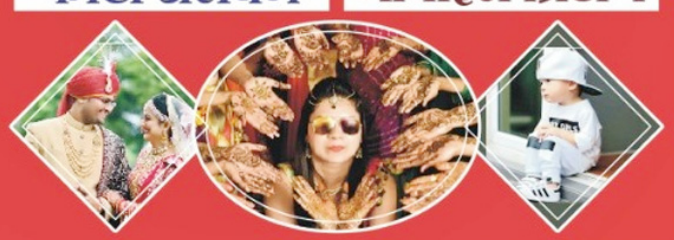

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

नेत्रदान कर मरकर भी रोशन करें किसी का जीवन

समाजसेवी अभिषेक पंजापी का आग्रह

विदर्भ स्वाभिमान, 4 जून

अमरावती- महाराष्ट्र ही नहीं सेवाभाव और सामाजिक कामों में अंबानगरी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चलता है. रक्तदान हो, नेत्रदान हो, कोई महामारी हो, इस शहर ने सदैव अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है. 10 जून को विश्व नेत्रदान दिवस भी शहर में भव्य पैमाने पर मनाया जाने वाला है. इस उपलक्ष्य में सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. हरीना नेत्रदान समिति का कार्य सराहनीय है. युवाओं क़ो नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम के लिए आगे आना चाहिए. ऐसा करने से जहां लोगों में नेत्रदान को लेकर भावना बदलेगी, वहीं नेत्रदान बड़े पैमाने पर होने से कोई भी खूबसूरत दुनिया देखने से वंचित नहीं रहेगा. नेत्रदान ही नहीं बल्कि समाजसेवा और मानव सेवा के काम में हरीना नेत्रदान समिति का काम सराहनीय है. यह भी खुशी की बात है कि समिति को शहर के साथ ही जिले में भी जबर्दस्त प्रतिसाद मिल रहा है. अमरावती में विश्व नेत्रदान दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों में अधिकाधिक संख्या में युवाओं के साथ ही सभी से सहभागी होने का

आग्रह युवा उद्यमी, शिव स्पोर्टस के संचालक और समाजसेवी अभिषेक पंजापी ने किया है. उनके मुताबिक देश में नेत्रदान के अभाव में लाखों लोगों के जीवन में अंधेरा है. आंख नहीं रहने से वे देख नहीं सकते हैं. अगर सभी नेत्रदान का संकल्प लें तो ऐसी नौबत किसी पर नहीं आएगी. नेत्रदान दिवस की सभी को शुभकामनाएं देने के अलावा युवाओं से नेत्रदान का संकल्प करते हुए इसे सफल बनाने का आग्रह भी अभिषेक पंजापी ने करते हुए इस कार्यक्रम की सभी को शुभकामनाएं दी. साथ ही समिति को सहयोग देने का भी आग्रह किया.

जिंदापन में लें सभी नेत्रदान का संकल्प

नेत्र विशेषज्ञ डॉ. राजेश जवादे का आग्रह, कहा सबसे पुण्य का काम है

अपने ही देश में लाखों लोगों की जिंदगियों में अंधेरा है, नेत्रहीन रहने के कारण वे सुंदर दुनिया देख नहीं सकते हैं. ऐसे में जीते जी ही सभी लोगों को नेत्रदान का संकल्प लेना चाहिए. इससे निश्चित तौर पर लाखों लोगों के जीवन में प्रकाश की रोशनी बिखेरना संभव होगा. इस आशय का प्रतिपादन महालक्ष्मी नेत्रालय के संचालक, राष्ट्रीय स्तर के नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. राजेश जवादे ने किया. अपने पिता स्व.भैयासाहेब जवादे की याद में नेत्र पेढ़ी चलाने वाले डॉ. जवादे नेत्रदान के लिए लोगों को जहां प्रोत्सहित करते हैं, वहीं दूसरी ओर अभी तक लाखों गरीबों की मोतियाबिंदु शस्त्रक्रिया करते हुए उनके दिल में स्थान बनाया है.

उनके इन्हीं कामों को ध्यान में रखते हुए उन्हें पिछले कुछ महीने पहले विदर्भ रत्न के सम्मान से नवाजा गया है. वैद्यकीय सेवा के साथ ही समाजसेवा के कामों में सदैव योगदान देने के कारण अभी तक उन्हें दर्जनों पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है.

उन्होंने हरीना नेत्रदान समिति द्वारा किए जाने वाले कामों की सराहना करने के साथ ही नेत्रदान के मामले में जागरूकता के प्रयासों में लोगों से भी आगे आने का आग्रह किया. डॉ. जवादे ने कहा कि अभी भी नेत्रदान या अवयवदान को लेकर

विदर्भ स्वाभिमान

जितनी ज़ागरूकता की जरूरत है, उतनी नहीं हो पाई है. वर्ना प्रगत तकनीकी के कारण लाखों लोगों के जिंदगी के अंधेरे को खत्म किया जा सकता है.जिला अस्पताल में नेत्र विभाग के प्रमुख रहते समय डॉ. जवादे ने जहां लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया, वहीं दूसरी ओर आदिवासी बहुल इलाकों में नेत्र जांच शिविर लेते हुए लाखों लोगों के नेत्र की जांच की. उनके मुताबिक जीवन भगवान का दिया उपहार है. हम दुनिया से विदा लेते समय कुछ ऐसा कर जाएं कि जाने के बाद भी लोग हमें याद करें.

परीक्षा के दिन प्रशिक्षण अनिवार्य नहीं करें-चंद्रशेखर भोयर

अमरावती-जिन शिक्षकों ने वरिष्ठ वेतन ग्रेड और चयन ग्रेड प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण कराया है, लेकिन यशवंतराव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में प्रवेश लिया है, उन्हें प्रशिक्षण के लिए बाध्य किए बिना परीक्षा के दिन अनुपस्थित रहने से छूट दी जानी चाहिए. इस संबंध में शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा शिक्षक आघाड़ी के प्रदेश सहसंयोजक चंद्रशेखर भोयर ने स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने ज्ञापन दिया.वरिष्ठ वेतन ग्रेड और चयन ग्रेड के लिए प्रशिक्षण 2 जून से 12 जून 2025 तक राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र, पुणे के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है.

अमरावती का नेत्रदान क्षेत्र में कार्य प्रशंसनीय है

अमरावती-नेत्रदान के क्षेत्रमें अमरावती शहर तथा जिले का काम सराहनीय है. इसमें लोगों की सहभागिता के साथ उनमें जागरूकता के लिए हरीना नेत्रदान समिति के साथ कई संगठनों का कार्य स्वागत एवं प्रशंसनीय है. लोगों को इसे आगे बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए और नेत्रदान का संकल्प करने का आग्रह समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने किया.

नेत्रदान ही नहीं बल्कि समाजसेवा और मानव सेवा के काम में हरीना नेत्रदान समिति का काम सराहनीय है. यह भी खुशी की बात है कि समिति को शहर के साथ ही जिले में भी

जबर्दस्त प्रतिसाद मिल रहा है. मनोज राठी और उनकी टीम का सेवाभाव को लेकर समर्पण निश्चित ही अभिनंदनीय है. इस आशय का प्रतिपादन समाजसेवी और सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने किया. उनके मुताबिक आज देश में लाखों लोगों के जीवन में अंधेरा है. नेत्रदान के माध्यम से हम परमार्थ का लाभ लेने के साथ ही किसी के जीवन में प्रकाश लाने का काम भी कर सकते हैं. ऐसे में हर व्यक्तियों को इस मामले में योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. पतंजली योगपीठ के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार चंद्रकुमार जाजोदिया के मुताबिक अंबानगरी धर्म, कर्म और सेवाभाव रखने वाली नगरी है. शहरवासी परमार्थ के काम में सदैव आगे रहते हैं. यही कारण है कि हरीना नेत्रदान समिति के माध्यम से नेत्रदान का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है. विश्व नेत्रदान दिवस के उपलक्ष्य में जिस तरह से आयोजन होता है और इसमें जिस तरह से लोगों का प्रतिसाद मिलता है, वह कम सराहनीय नहीं है. परमार्थ का काम कभी भी बेकार नहीं जाता है. अवयवदान को लेकर अभी भी कुछ हिचक है लेकिन अवयवदान परमार्थ का पुनीत काम होता है. 10 जून को विश्व नेत्रदान दिन पर हरीना समिति द्वारा इस क्षेत्र में किया जा रहा कार्य सराहनीय है. अनगिनत संगठनों के पदाधिकारी चंद्रकुमार जाजोदिया ने इस काम में सभी से सहभागी होने और लोगों को भी पुरानी रूढ़ियों और परम्पराओं को दरकिनार करते हुए इसके लिए प्रेरित करने का आग्रह किया.अमर होने के तरीकों में से एक तरीका अवयवदान भी है. जब हम नेत्रदान का संकल्प करते हैं तो यह भी महान कार्य है. वैसे भी जिंदगी समाप्त होने के बाद उसे अपने-अपने धर्म के मुताबिक जलाया या दफनाया जाता है. समिति के कामों की सराहना करते हुए उन्होंने सभी नागरिकों ने नेत्रदान दिवस कार्यक्रम में सहभागी होने का भी आग्रह किया.

रोमहर्षक पानी पर जलती मशाल, तैरता मल्लखंभ

श्री हव्याप्र मंडल के ग्रीष्मकालीन शिविर का शानदार समापन : तैराकी विभाग के प्रदर्शन देखकर सभी हुए दंग

अमरावती-श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के तैराकी विभाग द्वारा तैराकी के मनमोहक प्रदर्शन से नागरिकों को महसूस हुआ कि यह संस्था और यहाँ का जलतरण विभाग राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर का है. सिंक्रोनाइज्ड तैराकी, वाटर पोलो, तैराकी प्रदर्शन के साथ अंधेरे में पानी पर जलती मशाल, फव्वारा और पानी पर तैरते मल्लखंभ के प्रदर्शन मनमोहक और रोमांचकारी थे. अवसर था, श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के ग्रीष्मकालीन शिविर के समापन समारोह का. सोमवार ? जून को शाम ? बजे. यह मनमोहक तैराकी प्रदर्शन मंडल के तैराकी विभाग में आयोजित किया गया था. विशेष रूप से, मंडल के प्रधान सचिव पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य ने समारोह में भाग लिया और खिलाड़ियों को सम्मानित कर सराहना की.श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के कोषाध्यक्ष प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास देशपांडे की अध्यक्षता में आयोजित शिविर समापन समारोह के मुख्य अतिथि नगरसेविका राधा कुरील, टॉमी जोश, प्रो. प्रणव चेंडके, प्रो. दीपाताई कान्हेगांवकर, पडोले मैडम, डॉ. संजय तीरथकर, तैराकी विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश निर्मल, शिविर निदेशक राजेश महात्मे, महेंद्र लोनकर, डॉ. लक्ष्मीकांत खंडागले और अन्य गणमान्य अतिथि थे. इस अवसर पर पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य सहित उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने मंडल की छत्रपति पुरस्कार प्राप्तकर्ता संजलि वानखड़े सहित पार्थ अंबुलकर, यश दुर्गे, वेदांत सराफ, कौस्तुभ गाडगे, स्वर्णिम शेटे, मंथन शिवनिकर, पियूषनी देशमुख, भूमिका गिरी, अंजलि राउत, नारायणी और विभिन्न पुरस्कार प्राप्त तैराकों का सन्मान किया.

इसके बाद मंच पर उपस्थित कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास देशपांडे ने अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि, मंडल के प्रधान सचिव पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य की पहल पर श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल द्वारा खेल के क्षेत्र में किए जा रहे समर्पित कार्यों के कारण अमरावती शहर, जिले और देशभर के खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मंच मिला है. मुख्य रूप से अन्य सभी खेलों के साथ खिलाड़ियों को स्वस्थ स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए स्विमिंग पूल की सुविधा मिली है. सभी खिलाड़ियों और नागरिकों ने इस तैराकी प्रदर्शन के माध्यम से महसूस किया है कि, पिछले कई दशकों से इस स्विमिंग पूल के माध्यम से आंतरराष्ट्रीय स्तर के तैराक तैयार किए जा रहे हैं. तैराकों द्वारा प्रस्तुत प्रदर्शनों की सराहना करते हुए प्राचार्य डॉ. देशपांडे ने मत व्यक्त किया कि, श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल देश का गौरव है. महेंद्र लोनकर ने इन सभी प्रदर्शनों की प्रस्तुति का संचालन किया और तैराकी के महत्व, फिटनेस और तैराकी के प्रकार आदि के बारे में जानकारी दी.

तैराकी विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश निर्मल ने तैराकी टीम के मार्गदर्शन में समारोह का आयोजन किया तथा विभिन्न प्रदर्शन कर उपस्थित नागरिकों का दिल जीत लिया. समारोह का संचालन एवं आभार प्रो. आशीष हटेकर ने किया. कार्यक्रम की सफलता के लिए मयूर कुमार, प्रो. मनोज कोहाले, गोहद सर ने अथक परिश्रम किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे.

युवक बच गया-तैराकी का प्रदर्शन चल रहा था, तभी अचानक खुशी से झूमता युवक अपना संतुलन खो बैठा और पानी में गिर गया. जैसे ही उसने मदद के लिए चिल्लाया, कई तैराक पानी में कूद पड़े और उसे पानी से बाहर निकाला, जिससे उसकी जान बच गई. साथ ही उसे तुरंत चिकित्सा सुविधा भी मुहैया कराई गई. कुल मिलाकर इस घटना से दर्शक स्तब्ध रह गए. हालांकि बाद में डॉ. योगेश निर्मल ने यह कहते हुए दर्शकों को तैराकी के महत्व के बारे में समझाया कि यह सब प्रस्तुति का हिस्सा था.श्री हव्याप्र मंडल के तैराकी विभाग द्वारा आयोजित तैराकी प्रदर्शन में पानी पर तैरते मल्लखंभ का अद्भुत नजारा रहा. मल्लखंभ विभागाध्यक्ष प्रो. मयूर दलाल के मार्गदर्शन में बालिकाओं एवं बालकों की टीम ने तलवार, जलती मशालों एवं अन्य के साथ विभिन्न मल्लखंभ प्रदर्शन किए.मल्लखंभ विभागाध्यक्ष डॉ. विलास दलाल एवं तैराकी विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत खंडागले ने पानी पर तैरते मल्लखंभ के प्रयोग को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया था. इसके बाद पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य के सहयोग से वर्ष सोनी एवं कलर्स टीवी के शो 'इंडिया गॉट टैलेंट एवं एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा में पानी पर तैरते मल्लखंभ एवं विभिन्न अभ्यास प्रस्तुत किए गए तथा लाख हजार स्पए का पुरस्कार जीता. तब से लेकर अब तक हर वर्ष तैराकी विभाग के समारोह में पानी पर तैरते मल्लखंभ अभ्यास आकर्षण का केंद्र बन प्रशिक्षित एथलीटों ने मल्लखम्ब का प्रदर्शन किया, जो पानी से फीट नीचे पानी में अस्थिर होता है.

गुरूवार 5 से 11 जून 2025

मेष
ज़ीवन में सभी की भावनाएं समझते हुए काम करने का प्रयास करें. आपका कोई काम नहीं रूकेगा. सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ
यह सप्तह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

मिथुन
छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. वाहन चलाने में गड़बड़ी भारी पड़ सकती है.

कर्क
यह सप्ताह आपके लिए नई उम्मीदों वाला हो सकता है. ऐसे में समझदारी से हर काम को निपटाने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ
सप्ताह में मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इसके साथ ही अपने काम पर समर्पण के साथ ध्यान देना होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए हितकर होगा. नाहक के विवाद से बचें .

मीन
भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

क्रांति कॉलोनी में 9 से श्रीराम कथा, रामलीला का मंचन

प्रयागराज के कलाकार बताएंगे श्रीराम का आदर्श

विदर्भ स्वाभिमान,4 जून

अमरावती- मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन और उनके आदर्शों को समाज को बताने के लिए प्रयासराज के रामायण,रामकथा एवं रामलीला मंडल द्वारा देशभर में श्रीराम कथात रामलीला की जा रही है. इस कड़ी में 9 से 17 जून तक श्री गजानन महाराज मंदिर संस्थान , रामविहार डीपीएस रोड,क्रांति कॉलोनी में श्रीराम कथा तथा रामलीला का आयोजन किया गया है . अधिकाधिक संख्या में भक्तों से सहपरिवार विशेष रूप से बच्चों के साथ इस कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह किया गया है. इसमें मंडल के कथावाचक पं.श्यामदास महाराज कथा का वाचन करेंगे.

भगवान श्रीराम के पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक जीवन के साथ ही आदर्श व्यक्ति से लेकर आदर्श राजा वह कैसे थे, उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में क्यों पूजा जाता है, इसकी खूबियों की जानकारी देंगे. प्रयागराज के कलाकारों द्वारा इससे पहले भी अमरावती में कई बार विभिन्न क्षेत्रों में इसका नाटक के रूप में मंचन कर वाहवाही लूटी गई थी. कथा का अधिकाधिक संख्या में भक्तों से लाभ लेने का आग्रह श्यामदास महाराज तथा उपाध्यक्ष पं. एस.एस. तिवारी ने किया है. मंडल में कुल 15 से अधिक कलाकार हैं, जो रामायण के विभिन्न प्रसंगों का मंचन करेंगे.

राम को जीवन में उतारें-श्यामदास महाराज-कथा वाचन श्यामदास महाराज के मुताबिक प्रभु श्रीराम के सभी गुणों को तो कई जन्मों तक हम जीवन में नहीं उतार सकते हैं लेकिन आदर्श पुत्र के रूप में ही अगर हम उनके जैसे बन जाएं तो भारत के हर परिवार में स्वर्ग की अनुभूति हो सकती है. भाई का प्रेम कैसे होता है, भाई कैसा होना चाहिए, जीवन में माता-पिता का क्या महत्व होता है और आदर्श राजा कैसा होना चाहिए, इस तरह समाहित व्यक्तित्व के रूप में प्रभु श्रीराम रहने की बात वे कहते हैं. कथा तथा रामलीला का भक्तों से लाभ लेने का अनरोध किया है.

मौसम की आंखमिचौली से बढ़ी परेशानी,बीमारी बढ़ी

कभी गर्मी तो कभी बारिश ने किया हलकान,सभी परेशान

अमरावती - मौसम में बदलाव के साथ ही जिस तरह से तपिश के साथ ही बीच-बीच में बारिश हो रही है, उसके चलते कई बार परेशानी वाली स्थिति पैदा हो रही उससे स्वास्थ्य समस्या बढ़ रही है. मौसम को लेकर हैरत के साथ ही परेशानी भी बढ़ रही है. गर्मी के बीच कई बार जब दस मिनट की बारिश हो जाती है तो तपिश का प्रमाण इस कदर खतरनाक तरीके से बढ़ जाता है कि बेहाल होने की नौबत आ जाती है. मौसम की आंखमिचौली ने लोगों को त्रस्त कर दिया है. कभी बेमौसमी बारिशत्रस्त कर रही है तो कभी उमस के कारण लोगों को परेशानी हो रही है. मानसून को लेकर चिंता बढ़ गई है. 6 जून से मान्सून की संभावना है. लेकिन 5 जून के पहले तक जमकर तपिश ने सभी को त्रस्त कर दिया.ग़्लोबल वार्मिंग का असर समूचे विश्व पर कायम रहने वाला है. अमरावती सहित विदर्भ में जबर्दस्त तपिश के कारण जनजीवन प्रभावित होगा. अमरावती शहर में भी मौसम का खेल जारी है. जिले में कुछ तहसीलों में बारिश होती है और बाकी तहसीलों में बारिश नहीं होती है लेकिन गर्मी तेजी से बढ़ने के कारण परेशानी बढ़ जाती है. मौसम विशेषज्ञ प्रा. अनिल बंड के मुताबिक मान्सून समय प र पहुंचने की संभावना है. इससे पहले मान्सून पूर्व बारिश जिलि में कुछ स्थानों पर कुछ मिनट के लिए हुई है. मौसम विशेषज्ञ प्रा.अनिल बंड ने देते हुए बताया कि इस साल मौसम समय पर आने की संभावना है. पिछले दो सप्ताह से जिस तरह से जबर्दस्त गर्माहट का अनुभव किया जा रहा है, उसके चलते शहर के साथ ही विदर्भ के कुछ जिलों में मान्सून पूर्व बारिश 10 जून के बीच होने की संभावना जताई जा रही है. तीन-चार दिनों में बारिश की संभावना जताई है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048